

## LOK SABHA DEBATES

2

### LOK SABHA

Thursday, August 27, 1981/Bhadra 5,  
1998 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the  
Clock

[MR. SPEAKER in the Chair]

### ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

#### Late running of Trains due to State Governments

†SHRI K. PRADHANI:

\*161. SHRI G. Y. KRISHNAN:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to lay a statement showing:

(a) whether it is a fact that the Railway Board is putting the blame for late running of trains on State Governments;

(b) if so, the names of such States in which late running of trains has become a practice; and

(c) the effective steps taken by the Government to maintain punctuality and bring down the number of trains running late?

THE DEPUTY MINISTER IN THE  
MINISTRY OF RAILWAYS AND IN  
THE DEPARTMENT OF PARLIAMEN-  
TARY AFFAIRS (SHRI MALLI-  
KARJUN): (a) to (c). A statement is  
laid on the table of the Sabha.

#### Statement

(a) and (b). No, Sir. However, un-  
punctual running of trains is caused  
inter-alia by factors beyond the control

of Railways like alarm chain pulling, hose-pipe disconnection, miscreant activities, agitations, etc. In order to control these factors which are related to general law and order, the Railways have been seeking cooperation of the State Governments.

(c) The punctuality performance of passenger carrying trains is being watched closely at all levels. Liaison is being maintained with the State Governments concerned to check the incidence of alarm chain pulling, disconnection of hose-pipes and miscreant activities. Special drives, in cooperation with the State authorities, have been launched in the badly affected areas. Attention is being paid to aspects like failures of rolling stock, operation and signalling etc. to minimise detentions to the trains and improve the performance. General Managers are giving personal attention to punctual running of trains. The Railways have also been instructed that staff responsible for loss of punctuality should be dealt with firmly and promptly.

SHRI K. PRADHANI: The Minister in his reply has stated that late running of trains is due to chain pulling, hose-pipe disconnection, miscreant activities etc. which are beyond the control of the railways. As far as I understand, under the Indian Railways Act, the GRP prosecute all those cases which are occurring in running trains and the railways pay 50 per cent of their salaries. There are Railway Magistrates who try these cases. Am I to understand that the railways have no control over the GRP?

SHRI MALLIKARJUN: It is true that GRP have been deputed to the railways from the State Governments for maintenance of law and order. We cannot say that we do not have control,

but still they are basically governed by the State Government itself. For the maintenance of law and order, the railways and GRP regularly coordinate their activities in order to prevent such untoward incidents at vulnerable places.

**SHRI K. PRADHANI:** The Minister did not reply to my question. They are governed by IPC and Cr. P. C. and they are not governed by any State Government rules. Therefore, I would like to know what is the percentage of late-running due to chain pulling and what is the percentage due to failure of signalling?

**SHRI MALLIKARJUN:** Due to alarm chain pulling etc., the punctuality loss is to the tune of 27 to 30 per cent. So far as signalling and telecommunication failures are concerned, it is meagre—about 6.5 per cent. On the contrary, because of the failures of locomotives and other things, the percentage is quite high, up to 18 per cent. Government are taking adequate steps for repair and maintenance of steam and diesel locomotives in order to avoid the detention of trains due to the failure of locomotives.

**श्री राजेन्द्र प्रसाद धादब :** ट्रेनों का लेट चलना आज जीवन का एक अंग सा बन गया है। मैं समझता हूँ कि वर्तमान प्रशासन के लिए यह शायद असम्भव है कि इन को समय से चला सके। अध्यक्ष महोदय आपको याद होगा कि चार महीने पूर्व रेल मंत्री जी ने इसी सदन में कहा था कि दो महीने के अन्दर अन्दर गाड़ियाँ समय पर चलने लगेंगी। गाड़ियों का देरी से चलने का दोष राज्य सरकारों पर ये डालना चाहते हैं। मैं जानना चाहता हूँ कि दो महीने गुजरे हैं या नहीं? यदि गुजर चुके हैं तो उन्होंने यह दो महीने की बात किस आधार पर कही थी? क्या यह भी सही है कि आज जैसा इन्होंने कहा था फिक्क औरियॉटिड साइकोलोजी होनी चाहिये एक में और उसके मुताबिक आज गुड्ड

ट्रेज को प्रायोरिटी दी जा रही है और पैसेंजर मेल, एक्सप्रेस ट्रेज रुकी रहती हैं और गुड्ड ट्रेज चली जाती हैं और क्या यह भी एक कारण नहीं है जिस की वजह से गाड़ियाँ देर से चलती हैं?

**रेल मंत्री (श्री केदार पांडे) :** मैं सही बात कहीं भी उस वक्त। यह बात सही है कि मैंने कहा था कि 2, 3 महीने के अन्दर पंचकुएलिटी लाने की कोशिश करूंगा।

**एक माननीय सदस्य :** समय पर चलने लगेंगे गाड़ी।

**श्री केदार पांडे :** अभी तक पंचकुएलिटी पूरी नहीं आ सकी है, मैं इसको मानता हूँ, लेकिन कारण उसके क्या है वह मैं बताता हूँ। मैं काफ़ी कोशिश कर रहा हूँ उसके बाद भी अभी पंचकुएलिटी नहीं आ सकी है। मैं इस बात को मानता हूँ और गेमा अलार्म चैन पुलिंग और मिसक्रीएंट ऐक्टिविटीज के कारण यह है। लेकिन मैं अप्रैल, मई, और जून 1981 का परसेटेज बताता हूँ, अप्रैल 1981 में ब्रॉड गेज लाइन पर 18.9 परसेंट अलार्म चैन पुलिंग की घटनाएँ हुई हैं और यह ला एंड आर्डर की खराबी की वजह से होता है। मैं रेस्पांसिबिलिटी लेता हूँ, और कौन कहेंगा कि मेरी जिम्मेदारी नहीं है क्योंकि मैं गुड्ड और पैसेंजर ट्रेन्स चलाता हूँ। तो जिम्मेदारी ओवर आल मेरी है। . . . .

**एक माननीय सदस्य :** परसेटेज जो है जितनी गाड़ियाँ हिन्दुस्तान में चलती हैं उसका है?

**श्री केदार पांडे :** मैं बताता हूँ कारण क्या है। हम कहते हैं क्या क्या कारण हैं जिसकी वजह से पंचकुएलिटी गड़बड़ हो रही है। एक तो अलार्म चैन पुलिंग की वजह से और दूसरे पब्लिक स्टाफ़ ऐजीटेसन की वजह से, और उसका परसेटेज है 2.9, 2.2, 1.5। ऐक्सीडेंट्स की वजह से भी पंचकुएलिटी खराब हो रही है।

**अध्यक्ष महोदय :** आपने इसमें लिखा है 'factors beyond the control of the Railways'. Why should it be written like this? This is what agitates the minds of the Members.

**श्री केदार पांडे :** अभी जो गड़बड़ी है जिसकी वजह से पंचकुएलिटि नहीं आ सकी उसको मैं बता रहा हूँ। वैसे मैं कंट्रोल लाने की कोशिश कर रहा हूँ।

**श्री राजेन्द्र प्रसाद धाबध :** अध्यक्ष जी ने जो पूछा कि ऐसे कौन से कारण हैं जो आपके कंट्रोल से बाहर है? उनको बताइये।

**श्री अटल बिहारी बाजपेयी :** अध्यक्ष जी, आपने जो सवाल पूछा था उसका जवाब नहीं मिला?

**श्री राम बिलास पासवान :** सर्वप्रथम तो अध्यक्ष जी, मुझे यह कहना है कि मंत्री जी ने भ्रमुरा जवाब दिया है। और (ख) में पूछा गया है कि "यदि हा, तो उन राज्यों के नाम क्या हैं जिनमें रेलगाड़ियों का देरी से चलना एक आम बात हो गई है?" इसका कहीं कोई उल्लेख मंत्री जी के जवाब में नहीं है। मैं बहुत गर्भान्ता के साथ कहना चाहता हूँ कि यह एक वर्ष का मामला नहीं है। मैं समझता हूँ कि हमारे साथी श्री रामजी भाई डामोर और हम लोग आ रहे थे 13 तारीख को और पूरी पार्लियामेन्टी कमेटी आ रही थी मद्रास से और हम लोग 16 तारीख को यहाँ पहुँचे। . . . .

**श्री अटल बिहारी बाजपेयी :** पहुँच तो गये, कहीं बीच में ही रह जाते।

**श्री राम बिलास पासवान :** रास्ते में दो जगह ऐक्सीडेंट होते होते बचा और 25 गज की दूरी पर ऐक्सीडेंट की जगह थी। और मैं कहता हूँ पांडे जी, जब हम लोग सफर कर रहे थे एक श्री झादमी के दादा पानी के लिये रेलवे की तरफ से कोई व्यवस्था नहीं की गई, और जो रेलगाड़ी 4 घंटे लेट

होती है उसको जानबूझ करके 24 घंटे लेट किया गया। . . . .

**एक एक माननीय सदस्य :** 36 घंटे लेट हुई।

**श्री राम बिलास पासवान :** और हम लोगों ने जा कर के जब बोरेबल स्टेशन पर कम्प्लेंट दर्ज कराया तो हमें कहा गया कि ट्रेन लेट होगी इसको भगवान भी नहीं बचा सकता है। और जब डी०आर०एम० से बात करने की कोशिश की तो उससे बात नहीं करने दिया गया। तो आज आपकी रेलगाड़ियाँ जो आपने कहा कि जंजीर खींचने आदि की वजह से लेट चल रहीं हैं, इन सब के बावजूद आपके प्रशासन की ढिलाई और आपकी निष्क्रियता के कारण यह सारी गाड़ियाँ लेट हो रही हैं और आप स्वयं जिम्मेदार हैं उसके लिये। आपको क्या सजा देनी चाहिये, आपके प्रशासन को क्या सजा मिलनी चाहिये यह आप बतायें?

**श्री केदार पांडे :** मैंने यह बात कही थी कि पंचकुएलिटि अभी नहीं आ सकती है, कुछ कठिनाइयाँ हमारे सामने हैं, उन पर भी कंट्रोल करने की मैं कोशिश कर रहा हूँ, कठिनाई यह है कि स्टीम लोकोमोटिव और डीजल लोकोमोटिव की हालत बहुत खराब है, उनको ठीक कर रहे हैं। रोलिंग स्टॉक में भी खराबी है, उसको ठीक कर रहा हूँ, कंट्रोल में ला रहा हूँ, अभी थोड़ी डिफिकल्टी है।

**अध्यक्ष महोदय :** पूरा कंट्रोल करिये। भारतीय तीर्थ यात्रियों की मानसरोवर और कैलाश की यात्रा तथा उत्तर प्रदेश के साथ तिब्बती सीमा के दरों का खुलना

+

\* 162. श्री हरीश चन्द्र सिंह रावत :

श्री अर्जुन सेठी :

क्या बिदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि भारतीय तीर्थ यात्रियों की मान-